गुणवत्ता गारंटी बनेंगे प्रदेश के 12 रिसर्च सेंटर

फार्मा इंडस्ट्री

राज्य ब्यूरो, जागरण, लखनऊ : प्रदेश सरकार यूपी को न सिर्फ देश का सबसे बड़ा फार्मा हब बनाने का संकल्प लेकर बढ़ रही है, बल्कि इसकी गुणवत्ता भी विश्वस्तरीय होगी। सरकार ने इसका जिम्मा प्रदेश के 12 रिसर्च सेंटरों को दिया है। योगी सरकार ने पिछले दिनों फार्मा कान्क्लेव का आयोजन कर विश्व की बड़ी कंपनियों के सामने इसका खाका रखा था। वहीं, नई टैरिफ नीति से अमेरिकी बाजार में दवाओं, ड्रग और मेडिकल उपकरणों पर आयात शुल्क घटने से भारतीय उत्पादों की लागत कम होगी, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1472 एकड़ के विशाल परिसर में बन रहे ललितपुर फार्मा पार्क का उदाहरण देते हुए साफ कर चुके हैं कि दवा व उपकरण के उत्पादन के साथ ही रिसर्च व

1472 एकड़ में ललितपुर फार्मा पार्क, 60 हजार एकड़ का लैंड बैंक, फार्मा व उपकरणों के लिए रिसर्च व डेवलपमेंट पर फोकस

डेवलपमेंट पर विशेष फोकस होगा। उत्तर प्रदेश में देश के किसी राज्य की तुलना में ज्यादा रिसर्च सेंटर हैं। इनमें आइआइटी कानपुर, एसजीपीजीआइ, केजीएमयू, सीडीआरआइ, आइआइटीआर, सी-मैप और एनबीआरआइ लखनऊ के साथ ही एनआइपीइआर रायबरेली, आइआइटी बीएचयू, इंडियन फार्मा कोपिया कमीशन गाजियाबाद, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोलोजिकल्स नोएडा, फार्मा कोपिया कमीशन फार इंडियन मेडिसिन एंड होमियोपैथी गाजियाबाद शामिल है। प्रदेश सरकार स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीकी गुणवत्ता के लिए एआइ हेल्थ समिट, हेल्थ टेक और फार्मा कान्क्लेव कर चुकी है। रिसर्च को लेकर विशेष नीति तैयार गई है।

इस बीच नई टैरिफ नीति के तहत इमेजिंग उपकरण, डायग्नोस्टिक किट, सर्जिकल उपकरण और अन्य हाई-वैल्यू मेडिकल उपकरणों के निर्यात में लागत घटने से यूपी में नई इकाइयां स्थापित होने की राह खुलेगी। मेक इन इंडिया से मेक फार वर्ल्ड तक पहुंचने में यूपी की बड़ी संभावनाएं हैं।

वर्तमान में यूपी देश के पांच सबसे बड़े दवा निर्माता राज्यों में शामिल है, जबकि यहां एमएसएमई सेक्टर की सबसे ज्यादा इकाइयां हैं। प्रदेश के सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर सालभर में 54 करोड़ मरीजों की ओपीडी है, ऐसे में दवाओं की भारी खपत है। प्रदेश में 75 हजार एकड़ से ज्यादा लैंड बैंक है जिसमें सर्वाधिक इकाइयां फार्मा सेक्टर की होंगी। जेवर एयरपोर्ट के पास 350 एकड़ में बने मेडिकल डिवायस पार्क में 101 इकाइयों के लिए प्लाट आवंटित किए जा चुके हैं। यहां भी उपकरणों की गुणवत्ता के लिए विश्वस्तरीय लैब होगी।

MAGZTER Clipped from Dainik Jagran Lucknow - February 10, 2025
Read it digitally on Magzter